दिनांक 30 जुलाई, 1987

सं० ग्रो० वि०/एफ०डी०/77-87/30054. --चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं० राजेन्द्रा पेपर मिल्ज 50, ए. एन. ग्राई. टी. फरीदावर भिक श्री प्रीतम कुमार मार्फत फरीदाबाद कामगार यूनियन, 2/7, गोपी कालौनी ग्रोल्ड फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इस के बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रौधोगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इस लिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/माकते हैं अथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री श्रीतम कुमार की सेवासमाप्त की गई है या उसने स्वयं नौकरी से गैरहा जर होकर लियन खोया है ? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो० वि०/एफ०डी०/79-87/30061.—-चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै० राजेन्द्र पेपर मिल्ज 50 एन. ग्राई. टो. फरीदाबाद के श्रमिक श्री देव चन्द्र ठाकुर, पुत्र श्री दहाउर ठाकुर मार्फत फरीदाबाद कामगार यूनियन 2/7, गोपी कालौनी, ग्रोल्ड फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/ मामले हैं अथवा विशाद से सुगंगत या संबंधित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं।

क्या श्री देवचन्द्र ठाकुर की सेवा समाप्त की गई है या उसने स्वयं गैर हाजिर हो कर नौकरी से लियन खोया है ? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्वरुप वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो० वि०/एफ०डी०/गुड़गांव/89-87/30077. — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै० 1. चीफ एक्जूक्यूटिव हरियाणा खादी एण्ड विलेज इण्डस्ट्रीज बोर्ड कोठी नं० 196/7 पंचकुला (श्रम्बाला) 2. जिला खादी एण्ड विलेज इण्डस्ट्रीज प्रधिकारी नारनील के श्रमिक श्रो राजेन्द्र प्रसाद मार्फत श्री महाबीर त्यागी, श्रोरगेनाई कर इन्टक देहली रोड़, गुड़गांव तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इस के बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

श्रौर चूंकि हरियणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिये अव, श्रीचोगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रधान की गई मिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त श्रिधिनियम की धारा 7-क के श्रिधीन गठित श्रीचोगिक प्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं श्रथवा विवाद से सुसंगत या संबन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेत निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्रो राजेन्द्र प्रसाद की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० और वि./एफ. ही. /85-87/30085. — चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय हैं कि मैं० न्यूबेयर इण्डिया लि०, 80/6, फरीदाबाद के श्रमिक श्री धर्म प्रकाश, पुत्र श्री गोपी चन्द, मार्फत श्री ग्रमर सिंह शर्मा, लेबर यूनियन श्राफिस एस.एस.ग्राई. प्लाट नं० कि/14, एन. आई. टी., फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इस के बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रोदयोगिक विवाद है;

भीर चूं कि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते है;

इसलिए, अब, श्रोद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947, की धारा 10की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रीधिनयम की धारा 7क के सधीन गठित श्रीधोगिक

अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो- विवादग्रस्त मामला हैं अथवा विवाद पे सुसंगत या सम्बन्धित भामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते है:—

क्या श्री धर्म प्रकाश की सेवाग्रों का समापन न्यायौचित तथा ठीक है ? यदि का तो वह किस राहत का हकथार है ?

सं० मो० वि०/एफ०डी०/81-87/30092.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मे० फरीदावाद इण्डस्ट्रीयल पैंकिंजिंग 9-ए. एन. ग्राई टी. फरीदावाद, के श्रीमक श्री मान सिंह, पुत्र श्री हरिमलाथ मार्फत संसार चन्द मकान नं० 839 हाऊसिंग बोर्ड कांलोनी, सैक्टर 22, फरीदाबाद तथा प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई भौद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, भव, भौधोगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रधिनियम की धारा 7-क के ग्रधीन गठित श्रीद्धोगिक श्रिष्ठकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रिमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है श्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं —

क्या श्री मानं सिंह की सेवाप्रों का समापन/छंटनी न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

स॰ ग्रो॰ वि॰ एफ॰डी॰/157-87/30099.—चंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं॰ सैन्टीनल सिक्योरिटी सिंवसीज 1006, सैक्टर 7-सी फरीदावाद (1) मैं॰ ग्रोरियन्टल इण्डस्ट्रीज 12/7, मथुरा रोड़, फरीदाबाद के श्रमिक श्री लक्षमण प्रेम नगर, कालोनी, 14/5, नजदीक वंगाल सूटिंग फरोदाबाद तथा प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलें। के संबंध में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7-क के ग्रधीन गठित ग्रौद्योगिक ग्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रिमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है ग्रथवा विवाद से सुसंगत या सबंधित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेत् निर्दिष्ट करते हैं।

क्या श्री लक्षमण की सेवा समाप्त की गई हैं या उसने स्वयं चुकती हिसाब प्राप्त करके नौकरी छोड़ी हैं? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार हैं?

सं० भो० वि०/एफ०डी०/82-87/30107.—चुंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि भै० वरमाकों फेन्नीकेटर्स वाह्व डिविजन प्लाट नं० 78, सैक्टर 6 फरीदावाद के श्रीमक श्री रती राम पुन्न सुवेदार तेगा राम मार्फत फरीदावाद कामगार, यूनियन, रिजि० 2/7, गोपी कालोनी, भोल्ड फरीदावाद तथा प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई भौदोगिक विवाद है;

भ्रोर चंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेत् निर्दिष्ट करना बांजनीय समझते है ;

इसलिए, ग्रव, ग्रीचोगिक विवाद ग्रीधिनियम. 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रीधिनियम की धारा 7क के ग्राधीद गठित ग्रीचोगिक ग्रीधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रवत्यकों तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला हैं ग्राथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला हैं न्यायिनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :--

क्या श्री रती राम की सेवाभों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?